मीठे बोल बुन्देली के

संपादक
कैलाश मड़बैया

मीठे बोल बुन्देली के

(बुन्देली के ललित निबंध)

सम्पादक

कैलाश मड़बैया

मनीष प्रकाशन

अखिल भारतीय बुन्देलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद्
भोपाल (म.प्र)

ISBN 81-86364-13-7

लेखन/सम्पादन

© कैलाश मड़बैया

प्रथमावृत्ति
2008

प्रकाशक
मनीष प्रकाशन
75, चित्रगुप्त नगर, कोटरा, भोपाल–3
फोन : 0755–2774037

शब्द संयोजन
साक्षी ग्राफिक्स, भोपाल

प्रस्तुति
अखिल भारतीय बुन्देलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद्
भोपाल (म.प्र)

कीमत
मात्र 200.00
दो सौ रुपया

टीप : लेखकन के विचार और भाषा उनके अपनें हैं, एई सें उनई की जिम्मेदारी है।
सम्पादक की सहमति होवो जरूरी नइयाँ

MEETHE BOL BUNDELI KE

ESSAYS IN BUNDELI DILECT,
EDITOR - KAILASH MADBAIYA
MANISH PRAKASHAN : 75, Chitragupta Nagar, Kotra,
Bhopal-462 003 M.P. (India)

Price - Rs. 200.00

कितै का है...?

सं.	विषय	लेखक	पन्ना सं.
●	अपनन सें अपनी बात	सम्पादक	01
1.	बुन्देली गद्य–गाथा	कैलाश मड़बैया	03
2.	पद्म पुरान सें... कछु अंश	पं. दौलत राम	08
3.	अष्टाँग योग सें... कछु अंश	अक्षर अनन्य	09
4.	बुन्देली कौ सरुप	डॉ. गंगा प्रसाद गुप्त बरसैंया	10
5.	समरथ भाषा है बुन्देली	आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल	14
6.	विधाता कौ कम्प्यूटर और	डॉ. श्याम सुन्दर दुबे	19
7.	कितै जा रय बब्बा	डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी	24
8.	बाँके बोल : मीठे बोल	पं. कपिल देव तैलंग	27
9.	ठसकीली बुन्देली	डॉ. शरद सिंह	29
10.	हमाई गंगा–'बेतवा मैया'	पं. मदन मोहन वैद्य	33
11.	बुन्देलखण्ड वारी नरबदा	पं. गिरि मोहन गुरु	37
12.	ईसुरी : बुन्देली के सिरमौर कवि	डॉ. दुर्गेश दीक्षित	40
13.	बासंती मन कौ सपनौ	डॉ. कैलाश विहारी द्विवेदी	48
14.	बुन्देलखण्ड में आजादी की आग	डॉ. राजमति दिवाकर	52
15.	बोलत काय नइँयाँ	डॉ. पूनम चंद तिवारी	56
16.	वे दिन वे तित त्योहार	डॉ. शंकर लाल शुक्ल	59
17.	कानियाँ की कानियाँ	पं. हरि विष्णु अवस्थी	62
18.	अथाई की बातें	भगवान सिंह गौड़	69
19.	ओरछे भले पधारे राम	शीला खरे	71
20.	बुन्देलखण्ड और आचार्य विद्यासागर	मालती जैन	77
21.	बुन्देली कौ पैलो महाकाव्य:आल्हखण्ड	अवध किशोर श्रीवास्तव 'अवधेश'	81
22.	आल्हा और ऊ की प्रस्तुति	द्वारका गुप्त 'गुप्तेश्वर'/कामता सागर	84
23.	बुन्देली खेल	डॉ. देवी प्रसाद खरे	86
24.	बुन्देलखण्ड की लोक कलायें	मनीषा पुरोहित	95
25.	दतिया गरे कौ हार	डॉ. कामिनी	100
26.	झाँसी किले की कानियाँ	डॉ. रामनारायण शर्मा	104

27. खजुराहो–कविताई में	रामजी लाल चतुर्वेदी	110
28. पन्ना के जुगल किशोर	गोविंद सिंह यदुवंशी	113
29. उड़ गये फुलवा (चिरगाँव)	देवेन्द्र कुमार जैन	116
30. छतरपुर की छत्रसाली चौंतरा	रूपराज शर्मा	120
31. यहै आय कालिंजर	राधा कृष्ण बुन्देली	124
32. आम के आम, गुठलियों के दाम	विट्ठल भाई पटेल	126
33. मण्डला और नरबदा मइया	गिरजा शंकर अग्रवाल	128
34. टाठी परसी धरी है	पं. दीनानाथ शुक्ल	132
35. दमयंती की दमोह	विमला तिवारी 'कल्याणी'	134
36. राम चरित मानस में बुन्देली	प्रभुदयाल मिश्र	137
37. बुन्देलखण्ड के मेंड़ धरैया महा. 'छत्रसाल'	रमेश चौरसिया 'प्रशान्त'	140
38. ओरछा के लला हरदौल	डॉ. प्रेमलता 'नीलम'	144
39. बिटिया की पढ़ाई	डॉ. नाराणदास गुप्त 'कमलेश'	147
40. पेटई में दई मरवाय मोरे लाल	सुदेश सोनी 'स्वदेश'	150
41. घरेलू हिंसा और उपाय	सुधा रानी श्रीवास्तव	153
42 बुन्देलखण्ड के तीज त्योहार	डॉ. कामिनी तिवारी	155
43. दबी बानिया का मौं खोलै	मीना गोदरे 'अवनि'	159
44. ब्याव नरेश जू की	डॉ. नारायण दास सोनी	163
45. नाश पर्यावरण की	पी. दयाल श्रीवास्तव	166
46. बुढ़ापे की बिथा	संतोष सोनकिया 'नवरस'	174
47. कभऊँ नईं भूलनें बौ मिलन दद्दा औ दादा कौ	वीरेन्द्र शर्मा 'कौशिक'	178
48. औ मैं हक्को बक्को रै गओ	भजन लाल महोबिया	182
49. आज काल के जनी मान्स	नवल किशोर 'मायूस'	184
50. बियाव के बाबा की दरद	डॉ. जवाहर लाल द्विवेदी	186
51. बुन्देली लोकगीतों में शास्त्रीय तत्व	डॉ. बद्री नारायण गोस्वामी	188
52 बिन बिजुरी सब सून	जगदीश रावत 'जगदीश्वर'	191
53. साहित्य, संगीत, कला विहीना	देवकी नंदन 'शाँत'	194
54. लघु कथायें	वीरेन्द्र बहादुर खरे	193,196
55. सुरतें और परम्परायें	कैलाश मड़बैया	197
● **बुन्देली शब्दकोष**	संकलन : पं. हरगोविंद तिवारी	203

25 जून, 1944 को बानपुर, जिला ललितपुर (उ.प्र.) में जन्मे कवि कैलाश मड़बैया द्वारा एक दर्जन से अधिक साहित्यिक कृतियाँ हिंदी-संसार को देने, वर्षों से राष्ट्रीय मंचों पर काव्य-पाठ करने, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर सतत् प्रसारित होने और प्रतिनिधि पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने के उपरांत अब किसी परिचय की आवश्यकता नहीं रही।

कैलाश मड़बैया

काव्य-कृति—'चेहरा समय का', 'किसने न्योता है सूरज को' और 'आँगन खिली जुँदइया'; यात्रा वृतांत—'बहता पानी निर्मला'; पुरातात्विक ग्रंथ—'बुंदेलखंड के जैन तीर्थ', 'बुंदेलखंड का विस्मृत वैभव : बानपुर'; लोक साहित्यिक कृति—'बुंदेली के प्रतिनिधि कवि' एवं 'महक माटी की'; भाषा-कृति—'बाँके बोल बुंदेली के', स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास पर 'उत्सर्ग' जैसी कृतियों ने उन्हें हिंदी संसार में स्थापित किया है। श्री मड़बैया की कृति 'बुंदेलखंड के इतिहास पुरुष' को भारत के राष्ट्रपति ने लोकार्पित कर अभिनन्दित किया तो काव्य-कृति 'काव्यांजलि' से उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी को अभिषिक्त किया है। कैलाश मड़बैया ने लंदन और मारीशस आदि में काव्य-पाठ कर विशिष्ट ख्याति अर्जित की है।

अनेक पुरस्कारों से अलंकृत कैलाश मड़बैया को प्रयाग हिंदी साहित्य सम्मेलन ने 'साहित्य वारिधि', बृज साहित्य संगम ने 'साहित्य शिरोमणि', महाकौशल ने 'लोक साहित्य अलंकरण-2002' मध्य देश ने 'सारस्वत सम्मान', बुंदेलखंड ने 'बुंदेलश्री' और म.प्र. के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने नागरिक अभिनंदन से विभूषित किया है।

श्री मड़बैया एक दशक तक व्याख्याता और 25 वर्षों तक प्रशासनिक शासकीय सेवाओं में रह उच्च प्रथम श्रेणी पद के अधिकारी से सेवानिवृत्त हुए, कुछ समय अधिवक्ता भी रहे और अब पूर्णकालिक साहित्य सृजन में रत। अखिल भारतीय बुंदेलखंड साहित्य एवं संस्कृति परिषद् के अध्यक्ष पद से इन्होंने दो दर्जन से अधिक बुंदेली लोक-समारोहों का संयोजन, संचालन और संपादन किया। 'अनेकांत' अकादमी के अध्यक्ष पद पर रह इन्होंने श्रमण संस्कृति को अनेक विशिष्ट रचनाएँ दीं।

संप्रति : 'मड़बैया सदन', 75, चित्रगुप्त नगर, कोटरा, भोपाल-3

फोन : 0755-2774037

—डॉ. श्यामसुंदर दुबे